

प्रेषक,

महिमा,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर महानिदेशक,
एन0सी0सी0 निदेशालय उत्तराखण्ड,
बंगला नं0पी-4 नागनाथ रोड घंगोड़ा कैन्ट,
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 11 जनवरी, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में राष्ट्रीय सेना छात्र दल (एन0सी0सी0) की विभिन्न योजनाओं के देयकों के भुगतान हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 3208/2015-16/14/वित्त, दिनांक: 07 अक्टूबर, 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राष्ट्रीय सेना छात्र दल (एन0सी0सी0) के अन्तर्गत वचनबद्ध/अवचनबद्ध योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न मानक मदों में आवश्यकतानुसार पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं होने के कारण अनुदान सं0 11-आयोजनेत्तर के अधीन 2202-सामान्य शिक्षा के अन्तर्गत संलग्नकों बी0एम0-09 (भाग एक) (कुल 03 बी0एम0-09 प्रपत्रों) में उल्लिखित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों की मानक मदों में रु0 100+3800+272 हजार = रु0 4172 हजार (रुपये इक्तालिस लाख बहत्तर हजार मात्र) की धनराशि की व्यवस्था पुनर्विनियोग के माध्यम से करते हुए उक्त धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत करते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (क) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है एवं व्यय करते समय विभागीय तथा वित्तीय नियमों/निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा। धनराशि का व्यय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के प्रतिबन्धों तथा अन्य वित्तीय नियमों के अधीन क्रय प्रक्रिया संपादित करते हुए किया जायेगा। क्रय प्रक्रिया का संपादन सक्षम स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में गठित क्रय समिति के माध्यम से निविदा की शर्तों के अधीन किया जायेगा।
- (ख) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (ग) यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (घ) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 400/XXVII(1)/2015, दिनांक: 01.04.2015 एवं शासनादेश संख्या: 183/XXVII(1)/2012, दिनांक: 28.03.2012 में उल्लिखित प्राविधानों के अधीन किया जायेगा।
- (ङ) मितव्ययिता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय में अनुदान संख्या:-11 के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष के लेखा शीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा 80-सामान्य के अन्तर्गत संलग्नकों (बी0एम0-09) में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 60(NP)XXVII(3)2015-16, दिनांक: 02.01.2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं

संलग्न :यथोक्त

भवदीया,

(महिमा)

उप सचिव।

पृष्ठांक संख्या:2018(1)/XXIV-3/15/02(36)10तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार,उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव,मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव,मा0 शिक्षा मंत्री,उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव,मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निजी सचिव, सचिव विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन।
- 6- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7- निदेशक, कोषागार, 23-लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 8- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय।
- 10- वित्त विभाग (अनुभाग-3) उत्तराखण्ड शासन।
- 11- कम्प्यूटर सेल, वित्त विभाग।
- 12- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर,देहरादून।
- 13- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(ब्योमकेश दूबे)
अनु सचिव।